

## श्रीरुद्राष्टकम्

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं विभुं व्यापकं ब्रह्मवेदस्वरूपम् ।  
अजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहम् ॥ १ ॥

निराकारमोंकारमूलं तुरीयं गिरा ज्ञान गोतीतमीशं गिरीशम् ।  
करालं महाकाल कालं कृपालं गुणागार संसारपारं नतोऽहम् ॥ २ ॥

तुषाराद्रि संकाश गौरं गभीरं मनोभूत कोटिप्रभा श्री शरीरम् ।  
स्फुरन्मौलि कल्लोलिनी चारु गङ्गा लसद्भालबालेन्दु कण्ठे भुजङ्गा ॥ ३ ॥

चलत्कुण्डलं भ्रू सुनेत्रं विशालं प्रसन्नाननं नीलकण्ठं दयालम् ।  
मृगाधीशचर्माम्बरं मुण्डमालं प्रियं शंकरं सर्वनाथं भजामि ॥ ४ ॥

प्रचण्डं प्रकृष्टं प्रगल्भं मरेशं अखण्डं अजं भानुकोटिप्रकाशम् ।  
त्रयः शूल निर्मूलनं शूलपाणिं भजेऽहं भवानीपतिं भावगम्यम् ॥ ५ ॥

कलातीत कल्याण कल्पान्तकारी सदा सज्जनानन्ददाता पुरारी ।  
चिदानन्द संदोह मोहापहारी प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी ॥ ६ ॥

न यावत् उमानाथ पादारविन्दं भजन्तीह लोके परे वा नराणाम् ।  
न तावत् सुखं शान्ति सन्तापनाशं प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासम् ॥ ७ ॥

न जानामि योगं जपं नैव पूजां नतोऽहं सदा सर्वदा शम्भु तुभ्यम् ।

जरा जन्म दुःखौघ तातप्यमानं प्रभो पाहि आपन्नमामीश शम्भो ॥ ८ ॥

रुद्राष्टकमिदं प्रोक्तं विप्रेण हरतोषये ।  
ये पठन्ति नरा भक्त्या तेषां शम्भुः प्रसीदति ॥

Source: <https://www.bharattemples.com/rudrashtakam/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>